>

Title: Patenting of Yoga by an American Company.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान अमरीका की एक कम्पनी द्वारा भारत की प्राचीन विरासत योग को पेटेंट कराने की तरफ समाचार पत्रों तथा मीडिया के चैनल्स में जो समाचार प्रकाशित हुए हैं, उनकी ओर आकर्Âि◌ात कराना चाहता हूं।

महोदय, अगर यह मामला सही है, तो अत्यंत गंभीर और आपत्तिजनक है। योग भारत की प्राचीन धरोहर है। भारतीय परम्परा में ऋÂि◌ायों, मुनियों ने हमारे शास्त्रों, वेदों, उपनिÂ◌ादों में योग के बारे में, उसकी अनेक विधिओं के बारे में, उसके अनेक आयामों और अनेक यौगिक क्रियाओं के बारे में जो कुछ भी बताया है, अगर कोई विदेशी ताकत, कोई विदेशी कम्पनी उसे अपने नाम पर पेटेंट कराती है, तो सीधे-सीधे भारत की बौद्धिक सम्पदा पर एक विदेशी हमला है, जिसे सीधे-सीधे डकैती कह सकते हैं।[R10]

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए अनुरोध करना चाहता हूं कि [a11] पूर्व में इस प्रकार की शरारत अमेरिकी कम्पनियों ने की थी। उन्होंने कभी हल्दी, नीम, जामुन और अन्य आयुर्वेदिक दवाइयों को पेटेंट करवाया है। योग भारत की प्राचीन विधा है और भारतीय संस्कृति की देन है। अगर इस प्रकार की शरारतपूर्ण कार्रवाई अमेरिकी कम्पनी या किसी अन्य द्वारा करवायी जा रही है तो उस पर अविलम्ब रोक लगानी चाहिए। भारत सरकार अपनी बौद्धिक सम्पदा और विरासत को बचाने का प्रयास करे।

MR. SPEAKER: The names of the following Members may be associated with what has been said by Yogi Adityanath.

Shri Prahlad Joshi.

Shri B.K.Deo

Shri P. Patasani

Shri Avinash Rai Khanna

Shrimati Sushila Laxman Bangaru

Shri Chandramani Tripathi

Shri P. S. Gadhvi